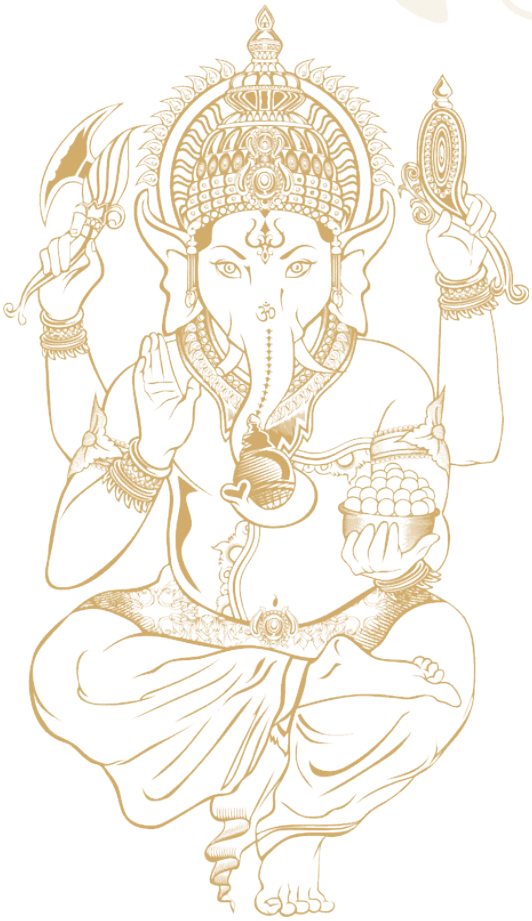

Mr. Jatin Garg

Ms.Drishti Garg

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120147601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120147601 Date: 14/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/10/1997	जन्म तिथि	03/01/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 21:56:00	जन्म समय	12:58:00 घंटे
घटी 39:06:54	जन्म समय(घटी)	14:20:50 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Bijnor
29:10:00 उत्तर	अक्षांश	29:22:00 उत्तर
77:45:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:00	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:14	सूर्योदय	07:12:30
17:54:29	सूर्यास्त	17:31:17
23:49:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41
मिथुन	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	शतभिषा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	4
सुकर्मा	योग	व्यतिपात
कौलव	करण	कौलव
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	सू-सुगन्धा
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
नकुल	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मेष

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 8मा 8दि		03:55:34	मिथु	लग्न	मेष	08:11:28	राहु 1वर्ष 5मा 21दि	
राहु		23:34:38	कन्या	सूर्य	धनु	18:53:07	शनि	
20/06/2015		08:28:02	मक	चंद्र	कुंभ	18:54:22	26/06/2015	
19/06/2033		14:28:56	वृश्चि	मंगल	मक	18:45:27	26/06/2034	
राहु	02/03/2018	21:13:20	कन्या	बुध	वृश्चि	26:15:06	शनि	29/06/2018
गुरु	25/07/2020	18:16:40	मक	गुरु	मक	28:54:16	बुध	08/03/2021
शनि	01/06/2023	08:46:36	वृश्चि	शुक्र व	मक	08:58:15	केतु	17/04/2022
बुध	19/12/2025	23:02:36	मीन व	शनि	मीन	19:59:54	शुक्र	17/06/2025
केतु	06/01/2027	25:36:45	सिंह	राहु	सिंह	18:25:10	सूर्य	30/05/2026
शुक्र	06/01/2030	25:36:45	कुंभ	केतु	कुंभ	18:25:10	चन्द्र	29/12/2027
सूर्य	01/12/2030	10:55:04	मक व	हर्ष	मक	13:24:59	मंगल	06/02/2029
चन्द्र	01/06/2032	03:21:22	मक	नेप	मक	05:11:59	राहु	14/12/2031
मंगल	19/06/2033	09:54:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:00:51	गुरु	26/06/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:29 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:41

लग्न-चलित

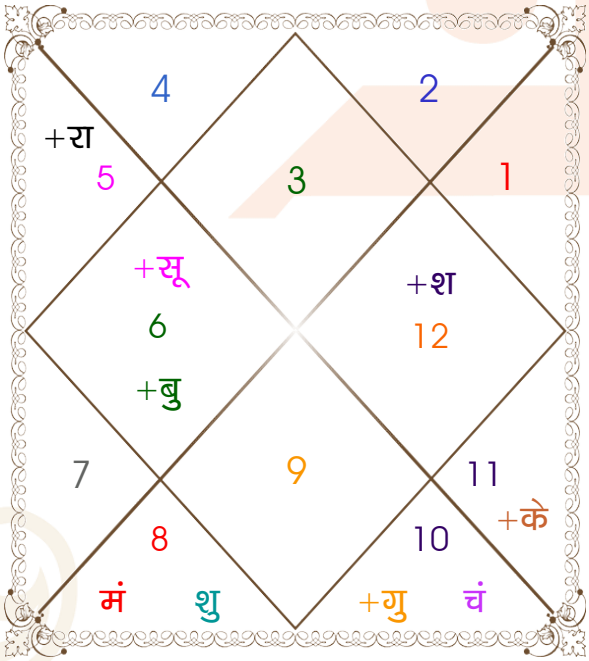

लग्न-चलित

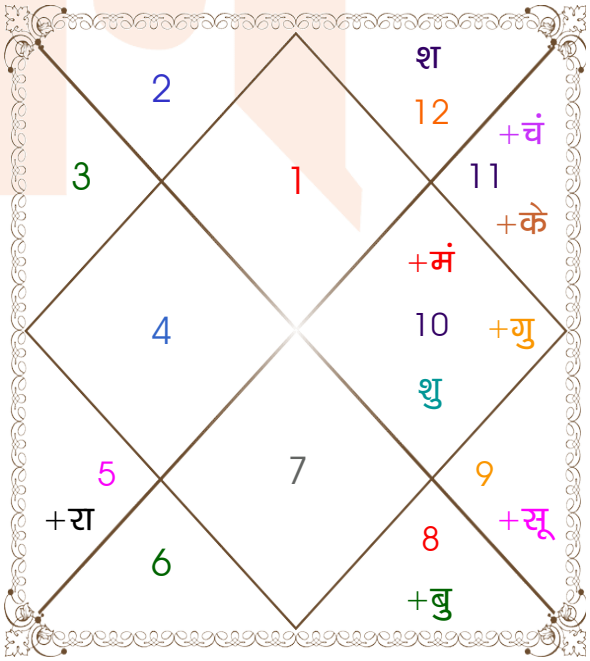

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

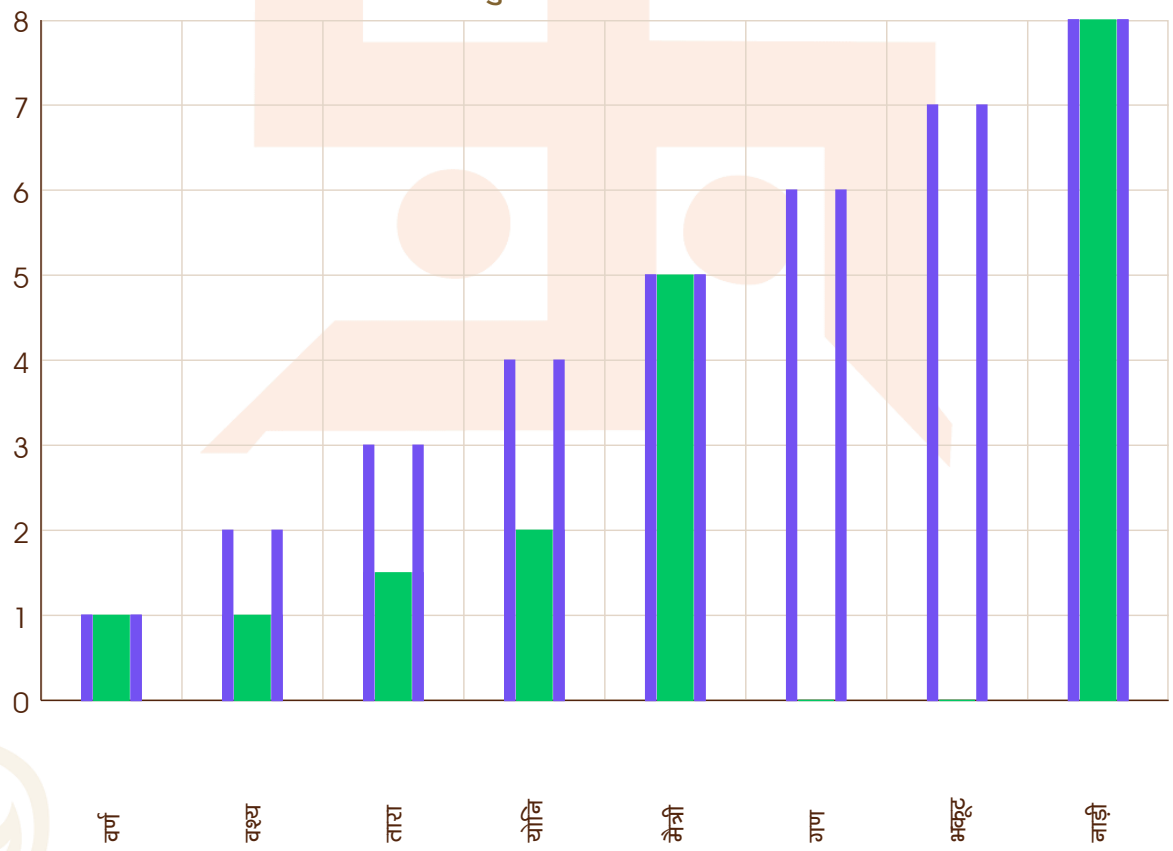

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Jatin Garg का वर्ग सिंह है तथा Ms.Drishti Garg का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Jatin Garg मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.Drishti Garg मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Mr. Jatin Garg तथा Ms.Drishti Garg में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Jatin Garg का वर्ण वैश्य है तथा Ms.Drishti Garg का वर्ण शूद्र है। इसमें Ms.Drishti Garg का वर्ण Mr. Jatin Garg के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ms.Drishti Garg अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ms.Drishti Garg हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Mr. Jatin Garg का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.Drishti Garg का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Mr. Jatin Garg एवं Ms.Drishti Garg एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Ms.Drishti Garg क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Mr. Jatin Garg की तारा वध तथा Ms.Drishti Garg की तारा क्षेम है। Mr. Jatin Garg की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. Jatin Garg बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Mr. Jatin Garg को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms.Drishti Garg लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Mr. Jatin Garg की योनि नकुल है तथा Ms.Drishti Garg की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Jatin Garg एवं Ms.Drishti Garg दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. Jatin Garg एवं Ms.Drishti Garg दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. Jatin Garg का गण मनुष्य तथा Ms.Drishti Garg का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.Drishti Garg का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr. Jatin Garg एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr. Jatin Garg से Ms.Drishti Garg की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms.Drishti Garg से Mr. Jatin Garg की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Mr. Jatin Garg गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms.Drishti Garg समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Mr. Jatin Garg शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Mr. Jatin Garg की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.Drishti Garg की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. Jatin Garg की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.Drishti Garg की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Jatin Garg की जन्म राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ms.Drishti Garg की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। भूमि एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Mr. Jatin Garg की जन्म राशि मकर तथा Ms.Drishti Garg की राशि कुम्भ दोनों का स्वामी शनि है। अतः इनके मध्य मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान के लिए तत्पर रहेंगे। Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख शांति एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. Jatin Garg एवं Ms.Drishti Garg की राशियां परस्पर द्वितीय द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। चूंकि दोनों राशियों का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इसके अशुभ प्रभावों में न्यूनता रहेगी। लेकिन यदा कदा संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा लेकिन बुद्धिमता एवं परस्पर सामंजस्य से कार्य करके अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. Jatin Garg का वश्य जलचर तथा Ms.Drishti Garg का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग होंगी। साथ ही काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे किंचित परेशानी की अनुभूति होगी।

Mr. Jatin Garg का वर्ण वैश्य तथा Ms.Drishti Garg का वर्ण शूद्र है। अतः Mr. Jatin Garg की प्रवृति धनार्जन संबंधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशिष्ट महत्व देंगे लेकिन Ms.Drishti Garg किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी।

धन

Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms.Drishti Garg की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Mr. Jatin Garg भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr. Jatin Garg की नाड़ी अन्त्य तथा Ms.Drishti Garg की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.Drishti Garg के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.Drishti Garg को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr. Jatin Garg और Ms.Drishti Garg का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Drishti Garg के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा

कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms.Drishti Garg सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms.Drishti Garg को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms.Drishti Garg धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms.Drishti Garg के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Ms.Drishti Garg ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Mr. Jatin Garg के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Mr. Jatin Garg भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Mr. Jatin Garg के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr. Jatin Garg के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।